नवादा जिला के आर्थिक विकास में वाणिज्य बैंकों की भूमिकाः एक भौगोलिक अध्ययन

डॉ0 ललित सागर

निरंजन कुमार भारती

भूगोल एक ऐसा क्षेत्र है, जो स्थानीय विविधताओं का विश्लेषण किसी प्रदेश और स्थानिय संबंधों के अनुसार करता है। यह एक विशेष स्थिति के मौजूदा स्थानियक चर की सीमा है जो कि काफी व्यापक है। इन चरों की सीमा मिट्टी, भूमि, पानी, जलवायु आदि जैसी भौतिक घटनाओं से लेकर व्यक्ति, संस्कृति, अर्थव्यवस्था आदि जैसे जटिल परिसरों तक हो सकती है। भूगोल में आधुनिक प्रवृति ने भी स्थानिय चर के रूप में आर्थिक गतिविधि को शामिल किया है। जैसे, आर्थिक गतिविधियों और विकास के बीच संबंधों का भौगोलिक विश्लेषण जो अन्य स्थानिक चर बनता है, अध्याय प्रासंगिक हो जाता है और भूगोल के परिक्षेत्र के व्यापक अवधारणाओं की परिद्यि में आ जाता है।

आर्थिक गतिविधि शून्य में घटित नहीं हो सकते हैं। वे भी भौगोलिक अवयन के लिए स्थानिक चर है। यह किसी भी क्षेत्र में किसी विशेष आर्थिक गतिविधि के अलग–अलग स्थानों को जानना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए बैंको का स्थान, आधुनिक युग में एक बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है। विकास के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण है और उनके स्थानिक वितरण सीधे क्षेत्र में विकास की गति को प्रभावित करते हैं। इसके अलावा बैंक की दक्षता भी इसके स्थान पर काफी निर्भर करती है। आर्थिक गतिविधि का विश्लेषण इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है यह राज्य की नीतियों के निर्माण में मदद करता है, और इनके द्वारा भविष्य के विकास आर्थिक और क्षेत्रीय योजनाओं के लिए और अधिक बुद्धिमान योजनाएं संचालित की जा सकती हैं।